EPC-3 Critical Understanding of ICT

Q. / How will you prepare programme learning material ? Discuss in details.
आप किस प्रकार अभिक्रमित अधिगम सामग्री तैयार करेंगे ? विस्तार से व्याख्या कीजिये ।

Ans:→ अभिक्रमित अधिगम सामग्री तैयार करने के लिए अभिक्रमित अनुदेशन के निर्माण प्रक्रिया को विकसित करना होगा जो निर्माण इस रूपों में होगा

(i) इकाई या प्रकरण या उपविषय का चयन करना :-
जिस विषय आधारित अधिगम सामग्री तैयार करना है उससे जुड़ी विषय के विधियों को परिवर्तित करते हुए नवीन विधियों का प्रयोग करना होगा।

(ii) उद्देश्य का प्रतिपादन और व्यवहारिक शब्दावली में लिखना :-
जिस प्रकरण का चयन करेंगे उसके आधार पर B.S. Bloom के Texonomy को जोड़कर पाठ्यपुस्तक के तथ्य को उसके अनुरूप विकसित करेंगे ।

(iii) पाठ्यवस्तु का विश्लेषण और क्रम का निर्धारण :-
जब किसी विषय-वस्तु आधारित उद्देश्य विकसित हो जाय तो उसके आधार पर क्रमबद्ध रूपों में पाठ्यवस्तु का विकास करना होगा जिसके आधार पर अभिक्रमित अधिगम प्रक्रिया प्रभावी रूपों से संचालित हो सकेगी ।

(iv) कार्यक्रम आधारित योजना का निर्माण करना :→
अधिगम को निर्मितवाद रूपों में विकसित करने के लिए उदाहरण आधारित रचनात्मक अधिगम का विकास करना।

(v) परीक्षा मापदंड का निर्माण :-
परीक्षा को लचीलापूर्ण बनाते हुए शैक्षणिक एवं व्यवहारिक मापदंडों को सम्मिलित कर अधिगम उपलब्धि का निर्माण करना।

(vi) पदों का लिखना :-
अधिगम आधारित विषय-वस्तु का निर्माण करते समय वातावरणीय आधारित सापेक्ष ज्ञान को अंतः वस्तुओं से जुड़ी ज्ञानात्मक ज्ञानों को जोड़ते हुए विषयवस्तु की आकर्षक रूपरेखा को प्रस्तुत करना जिसमें प्रस्तावना, शिक्षण अभ्यास तथा परीक्षण आधारित विषय-बिंदु को निर्धारित कर एक इमेज के रूप में लिखना।

(vii) अनुदेशानात्मक प्रक्रिया का अंतिम चरण :-
जब विषय-वस्तु अधिगम कार्य के लिए एक नमूना के रूप में विकसित हो जाय तो अधिगम आकलन के आधार पर अनुक्रिया पुस्तिका का यानि सुझाव पुस्तिका का निर्माण कर पाठ्यचर्या आधारित रूपरेखा के बारे में आम शिक्षाविदों का राय जानकर विषयवस्तु को अधिगम के लिए उपयुक्त रूपों में तैयार कर रखना।

(iii) अनुदेशन- अनुसूची तैयार करना :-
जब विषय-वस्तु अधिगम के योग्य तैयार हो जाय तो अधिगम अभिक्रमित रूपों में अंतिम रूप देना। यह एक ऐसे PLM की एक रेखा हो जिसको प्राप्तकर्ता या अधिगमकर्ता आकर्षक रूपों में स्वीकार करें।

(iv) अनुदेशन आकलन :- अंतिम रूप से जब PLM तैयार हो जाय तब उसके मानक को आकलन कर अध्ययनकर्ता के लिए उपलब्ध करायी जाय। इसी उपलब्धि से यह PLM एक शिक्षण प्रक्रिया का एक अंग के रूप में विकसित हो जाएगी और एक प्रणाली के रूप में शिक्षण अधिगम को नवाचार से जोड़ने का कार्य करेगी।

उपर्युक्त विवेचना से या PLM के बिंदु से यह स्पष्ट होता है कि यह अधिगम केंद्रित एक रचना है जो अधिगम प्राप्त करने में रेखीय या बाह्य शैली से या शाखीय या आंतरिक शैली से अभिक्रम को प्रभावी रूपों में व सार्थक रूपों में विषय-वस्तु के योग्य बन सके। जिसके कारण व्यक्तिगत भिन्नता होते हुए भी अधिगम एक प्रभावपूर्ण रूपों में विकसित हो सके।